European Union

B+HR Business and Human Rights Asia-Pacific

UNDP

एशिया में व्यवसाय एवं मानव अधिकार

(बिज़नेस एंड ह्यूमन राइट्स इन एशिया)

संरक्षण, सम्मान एवं समाधान के दायरे में सतत् आर्थिक वृद्धि साकार करना

प्रोजेक्ट सार

क्यों ?
क्षेत्रीय पृष्ठभूमि

एशिया लंबे समय से आर्थिक गतिशीलता का पर्याय रहा है। पिछले कई दशकों में नए उद्योग पनपे हैं, रोज़गार दरें और आमदनी बढ़ी है, स्वास्थ्य सेवा का दायरा फैला है और करोड़ों लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलायी गयी है।

इन सफलताओं का श्रेय मूल रूप से निजी क्षेत्र को जाता है जो वृद्धिपरक नीतियों, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, समर्थ श्रम शक्ति और निरन्तर बढ़ती उपभोक्ता मांग के बलबूते पर बहुत तेजी से आगे बढ़ा है।

किन्तु इस त्वरित आर्थिक वृद्धि की अनेक देशों में पर्यावरण और सामाजिक दृष्टि से बड़ी भारी कीमत भी चुकानी पड़ी है जिसमें कर्मचारियों का शोषण और पर्यावरण विनाश शामिल है। इस क्षेत्र में देशों, समुदायों और व्यक्तियों की खुशहाली और संपन्नता पर इन सबका दूरगामी असर हुआ है।

क्या ?
प्रोजेक्ट के उद्देश्य

यूएनडीपी और यूरोपीय संघ यूएन गाइडिंग प्रिंसिपल्स ऑन बिजनेस एंड ह्यूमन राइट्स (यूएनजीपी) अर्थात व्यवसाय एवं मानव अधिकारों के बारे में संयुक्त राष्ट्र मार्गदर्शक सिद्धांतों पर अमल को संयुक्त रूप से प्रोत्साहित कर आर्थिक वृद्धि के जोखिमों और प्रभावों से निपट रहे हैं। इस पर अमल के लिए **बिजनेस एंड ह्यूमन राइट्स इन एशिया:इनेबलिंग सस्टेनेबल इकनॉमिक डेवलेपमेंट थ्रू द प्रोटैक्ट, रिस्पैक्ट एंड रेमेडी फ्रेमवर्क (बी+एचआर एशिया)** अर्थात संरक्षण, सम्मान एवं समाधान के दायरे में सतत् आर्थिक वृद्धि साकार करने का प्रोजेक्ट शुरू किया गया है।

यूएनडीपी बी+एचआर एशिया सरकारों, प्रबुद्ध समाज और व्यवसायों के सहयोग से यूएनजीपी पर अमल में जागरूकता बढ़ाने, क्षमता निर्माण और नीतियों में सामंजस्य को सहारा देता है। इसमें व्यवसाय एवं मानव अधिकारों से सम्बद्ध राष्ट्रीय कार्य योजनाओं (बीएचआर) को समर्थन देना भी शामिल है।

बीएचआर एजेंडा व्यवसायिक गतिविधियों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में मानव अधिकार जोखिमों और प्रभावों को कम करके मानक संचालित व्यापार और निवेश में सहायता करता है, जिससे सतत् आर्थिक विकास एवं पर्यावरण को टिकाऊ बनाए रखने को बढ़ावा मिल सके।

कहां ?
भौगोलिक क्षेत्र

यह प्रोजेक्ट छः एशियाई देशों : भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यांमार, श्रीलंका और थाइलैंड में चलाया जा रहा है।

कैसे ?
तीन कार्यधाराएं

बी+एचआर एशिया तीन कार्यधाराओं पर केन्द्रित है।

यूएनजीपी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और अब तक सीखे गए सबकों के बारे में प्रमुख हितधारकों के बीच आदान-प्रदान जिससे जानकारी और राजनीतिक संकल्प तैयार हो सके।

संवाद और जन-राजनयिक प्रयास करना जिससे व्यवसाय एवं मानव अधिकार एजेंडा के प्रति समर्थन जुटाया जा सके।

समाधानों की सुलभता को प्रोत्साहन जिससे अधिकार केंद्रित समाधान मिलें और भविष्य में मानव अधिकारों का उल्लंघन न हो।

कब ?
प्रोजेक्ट की समय-सीमा

यह प्रोजेक्ट जनवरी 2020 से दिसम्बर 2023 के बीच 48 माह की अवधि में चलाया जा रहा है।

इस समय-सीमा के दौरान देश-विशेष में स्थित यूएनडीपी कार्यालय हर देश की परिस्थिति के अनुरूप वार्षिक व्यवसाय एवं मानव अधिकार कार्य योजनाओं के आधार पर गतिविधियों की प्राथमिकता तय करेगा।

कौन ?
क्रियान्वयन एवं धन की व्यवस्था

यूएनडीपी यूरोपीय संघ की भागीदारी से इस पर अमल कर रहा है जिसके लिए नौ पूर्णकालिक कर्मचारियों की प्रोजेक्ट टीम है जिसमें देश-विशेष के कार्यालय में मौजूद छः राष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल हैं ताकि भागीदारी और असरदार डिलिवरी सुनिश्चित हो सके।

इस काम के लिए यूरोपीय संघ ने 55 लाख यूरो की वित्तीय सहायता दी है। स्वीडन सरकार की वित्तीय सहायता से संचालित **प्रमोटिंग रिस्पांसिबल बिजनेस प्रैक्टिसेज थ्रू रीजनल पार्टनरशिप्स प्रोजेक्ट** (क्षेत्रीय भागीदारी के जरिए ज़िम्मेदार व्यावसायिक विधियों को बढ़ावा देने का प्रोजेक्ट) इस में सहयोगी है।

अधिक जानकारी लें !
संपर्क एवं संसाधन

अधिक जानकारी के लिए यूएनडीपी **बी+एचआर एशिया** टीम से ई-मेल bizhumanrights.asia@undp.org, के जरिए संपर्क करें, ट्विटर पर @BizHRAsia_UNDP फॉलो करें और देखें :

UNDP B+HR Asia-Pacific website

UN Guiding Principles pdf copy

European Union